दिया है कि वह यह रुपया लगाने के लिए तयार है या नहीं ?

प्रो० मधु दंडवते : हमने राज्य सरकार को 26-12-77 का खत लिखा था। लेकिन हमने स्टेट गवर्नमेंट से जो अनुरोध किया था, उसके अनुसार अभी तक उन्होंने हमारे हाथ में वह राशि देने का फैसला नहीं किया है। हो सकता है कि आगे चल कर वह इस बारे में निर्णय करे।

डा० लक्ष्मी नारायण पाडेय : इस समय उज्जैन में मुख्य शहर और फ्रीगंज के बीच में जो पुल है, वह यातायात के लिए अपर्याप्त है। दूसरी ओर रेलवे समपार है। उस पर भी भारी यातायात है। एक लम्बे समय से वहां भी पुल बनाने की मांग की जा रही है। रेलवे क्रासिंग पर उस पुल का रेलवे मंत्रालय और मध्य प्रदेश सरकार दोनों को मिल कर बनाना चाहिए। मैं यह जानना चाहता हूं कि क्या उस रेलवे क्रासिंग पर पुल बनाने की कोई योजना है या मंत्री महोदय इस पर विचार करने के लिए तैयार है ? जहां तक मेरी जानकारी है राज्य सरकार ने इस हेतु लिखा भी है।

प्रो० मधु दंडवते : इस ओवरब्रिज के बारे में जिम्मेदारी राज्य सरकार की है। वह जब तक अपने हिस्से की राशि अदा नहीं करती, तब तक यह काम करना बहुत कठिन है। उनके साथ हमारी कारेसपोंडेंस हो रही है। अगर वह इसके लिए तैयार है तो इसे किया जाएगा।

आरक्षण के टिकटों की अनधिकृत बिक्री

*288. **श्री यमुना प्रसाद शास्त्री** : क्या रेल मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि

(क) क्या यह सच है कि दिल्ली रेलवे स्टेशन सहित देश के सभी बड़े रेलवे स्टेशनों पर कुछ गैर-सरकारी एजेंट यात्रियों से अधिक पैसे लेकर उन्हें अनधिकृत रूप से आरक्षण टिकट बेचते हैं,

(ख) क्या इसके परिणामस्वरूप, देश के लाखों यात्रियों से अधिक पैसे वसूल कर के सीटों तथा शायिकाओं के लिए आरक्षण टिकट प्रतिदिन बेचे जाते हैं,

(ग) यदि हां, तो इस भ्रष्टाचार का समाप्त करने के लिए सरकार ने क्या कार्यवाही की है, और

(घ) यह भ्रष्ट प्रक्रिया पूरी तरह कब तक समाप्त किए जाने की संभावना है ?

रेल मंत्री (प्रो० मधु दंडवते) : (क) और (ख) रेल प्रशासन के नोटिस में ऐसे मामले आये हैं कि कुछ अनधिकृत व्यक्ति विशेषतया बड़े स्टेशनों पर जिनमें दिल्ली भी शामिल है आरक्षित सीटों के टिकट खरीद लेते हैं और गुप्त रूप से इच्छुक यात्रियों से अधिक पैसा लेकर बेच देते हैं।

(ग) और (घ) एक विवरण सभा पटल पर रख दिया गया है।

विवरण

गाड़ियों में आरक्षण के मामलों में भ्रष्टाचार का सबसे प्रमुख कारण मांग और पूर्ति के बीच अन्तर है। रेलें अतिरिक्त गाड़ियां चलाकर तथा वर्तमान गाड़ियों में डिब्बों की संख्या बढ़ाकर यात्रियों को उत्तरोत्तर अधिक आरक्षित स्थान उपलब्ध कराने के सभी प्रयास कर रही है। आरक्षण की व्यवस्था और प्रक्रिया भी सरल और कारगर बना दी गयी है। इन उपायों से कदाचार काफी कम हो गया है। लेकिन, छुट्टियों, त्यौहारों आदि के अवसर पर जबकि विशेष गाड़ियां चलाये जाने तथा गाड़ियों में अधिक डिब्बे लगाये जाने के बावजूद यातायात की भारी भीड़-भाड़ होती है यात्री अपनी मनवांछित गाड़ियों में आरक्षण प्राप्त करने के लिए जानबूझ कर अधिक पैसा देते हैं। ऐसे मामलों से भ्रष्टाचार केवल सामाजिक दबाव से ही दूर किया जा सकता है।

2. आरक्षित सीटों के आवंटन में कदाचार को दूर करने/कम करने के लिए रेलों ने निम्नलिखित उपाय किये है/कर रही है :—

(i) आरक्षित सीटो की माग और पूर्ति के बीच अन्तर कम करना।

(ii) अग्रिम आरक्षण को समय सीमा बढ़ाकर छः महीने करना जिससे वास्तविक यात्रियों का अधिक विकल्प मिल गया है तथा असामाजिक तत्वो द्वारा सीटे घेरना अधिक कठिन हो गया है।

(iii) यात्रियो का बेहतर सेवा प्रदान करने के लिए प्रमुख स्टेशनो/आरक्षण केन्द्रो पर अतिरिक्त बुकिंग खिडकिया/आरक्षण काउन्टर, आदि खोलकर तथा रिक्त सीटो को स्थिति बनाने के प्रबन्ध मे सुधार करके आरक्षण की प्रक्रिया और व्यवस्था को सरल और कारगर बनाना।

(iV) वाणिज्यिक अधिकारियो द्वारा आरक्षण कर्मचारियो का पर्यवेक्षण कडा करना वाणिज्यिक विभाग और सतर्कता सगठन के निरीक्षको द्वारा धोखा-धडी निवारक दस्ता, सरकारी रेलवे पुलिस और रेलवे सुरक्षा दल की सहायता से तथा विशेष पुलिस स्थापना के साथ सयुक्त रूप से छापे मारना तथा कदाचार मे लगे असामाजिक तत्वो और रेल कर्मचारियो का पकडने के लिए आसूचना इकट्ठी करना।

(V) वाणिज्यिक विभाग तथा सतर्कता सगठन द्वारा ऐसे प्राइवेट एजेंटो और दलालो पर, जो नियमित रूप से आरक्षण की लाइनो मे लग जाते है, नजर रखना तथा उनकी गतिविधियो का समाप्त करने के लिए पुलिस की सहायता लेना।

(vi) दूसरे यात्रियों के नाम से आरक्षित टिकटो पर यात्रा करने वाले व्यक्तियों को पकड़ने के लिए गाड़ियों मे छापे मारना तथा उन्हें कानून के अनुसार बिना टिकट मानकर उनके खिलाफ कार्रवाई करना ताकि अन-धिकृत व्यक्तियों से आरक्षित टिकट खरीदने की यात्रियो की आदत को छुड़ाया जा सके।

3. चूकि वर्तमान कानून के अन्तर्गत अनधिकृत एजेंटो और दलालो के खिलाफ प्रभावकारी कार्रवाई नही की जा सकती, अत: भारतीय रेल अधिनियम मे प्रस्तावित संशोधन करके अनधिकृत व्यक्तियो द्वारा आरक्षित टिकटो की खरीद-फरोख्त को दडनीय अपराध घोषित करने का प्रस्ताव है।

4. इस भ्रष्टाचार को पूरी तरह समाप्त करने के लिए कोई समय-सीमा निश्चित नही की जा सकती।

श्री यमुना प्रसाद शास्त्री मंत्री महादय ने स्वीकार किये है कि इस तरह का भ्रष्टाचार सारे देश मे प्रचलित है, यहा तक कि दिल्ली शहर मे भी है, कि स्टेशनो पर कुछ ऐसे दलाल घूमते है, जो रिज़र्वेशन के टिकट गुप्त रूप से अधिक पैसा ले कर यात्रियो को बेचते है। इस की रोक थाम के सबंध मे मंत्री महादय ने जो विवरण सभा-पटल पर रखा है, उस में बताया गया है कि वाणिज्यिक विभाग के अधिकारी सतर्कता सगठन के साथ मिल कर कुछ छापे मारेगे। मै यह जानना चाहता हू कि जब से यह बात तय की गई है, तब से आज तक क्या कुछ छापे मारे गए है, यदि हा तो क्या कुछ लोग पकड़े गये है-कितने लोग पकड़े गये है और उन के विरुद्ध क्या कार्यवाही हुई है।

प्रो० मधु दंडवते : ईस्टर्न रेलवे मे 140 लोगो को पकड़ा गया है जिन्होंने रिज़र्वेशन में इस प्रकार की मैलप्रैक्टिस की थी और उन को उचित कार्यवाई के लिए पुलिस के हवाले किया गया। सैंट्रल रेलवे मे 225 लोग ट्रांसफर्ड टिकटो पर यात्रा करते हुए पकडे गये और उनके विरुद्ध नियमानुसार कार्यवाई की गयी। और नार्दर्न रेलवे में

16 लोग पकड़े गये हैं। इस के अलावा 7 रिजर्वेशन क्लर्कों, 10 बुकिंग क्लर्कों, 4 टिकट कलेक्टर, 2 कोच एटेंडेंट्स, 8 टी० टी० ई० और 2 गार्डस के विरुद्ध नवम्बर, 1977 के बाद डिपार्टमेंटल एक्शन लिया गया है, जिन को इस प्रकार का मैलप्रैक्टिसिज में जिम्मेदारी था।

श्री यमुना प्रसाद शास्त्री : अध्यक्ष महोदय, माननीय मन्त्री जी ने अपने उत्तर के सम्बन्ध मे जो विवरण सभा पटल पर रखा है उसमे यह भी कहा है कि अभी जो रेलवे का कानून है वह प्रभावशाली दण्ड देने मे असमर्थ है जो लोग इस तरह की मालप्रैक्टिसेज करते है उनको पकड़ करके उनके खिलाफ कोई प्रभावकारी कार्यवाही करने मे वर्तमान कानून समर्थ नही है इसीलिए उन्होंने कहा है कि हमने संशोधन का प्रस्ताव किया है तो मैं जानना चाहता हू कि आपका यह संशोधन विधेयक कब तक सदन म प्रस्तुत कर दिया जायेगा और कब तक वह कानून बनकर तैयार हो जायेगा ताकि इस प्रकार के लोगो के खिलाफ प्रभावी कार्यवाही की जा सके ?

प्रो० मधु दंडवते : संशोधन का मसविदा हमने तैयार किया है जिससे आधार पर इस प्रकार की मालप्रैक्टिसेज करने वाला को गुनाह कांग्निजेबल आफेन्स माना जायेगा और मैं उम्मीद करता हू कि चन्द महीनो म यह कार्यवाही पूरी हो जाएगी।

SHRI T A PAI Last year on this very issue the hon Minister made a heroic and bold assertion that black marketing in tickets would be abolished In his answer now he says that it has come to his notice that a few of these things are happening I had told him that it happens even at Delhi Station and the premium on all the tickets could, perhaps, have been paid for by providing tickets even at higher rates to the passengers themselves I would request him to look into the cause why it happens because, without that, any vigilance machinery that he sets up will not be of any effect

PROF MADHU DANDAVATE. This is one of the concrete steps that I am taking I have announced in my budget speech that we are introducing computerisation on our reservation systems at some stations as an experimental measure and if that succeeds I think that some results may be produced

As far as the vigilance machinery is concerned, we had already set that into operation but, when we were able to prevent malpractices in reservation at some stations We found that there was a recurrence of the same malpractices at some other stations Of course this is a long process But, I am sure that, with the introduction of computerisation, to a very great extent, malpractices in reservation will be reduced to the rock bottom minimum, if not eliminated

श्री भानु कुमार शास्त्री अध्यक्ष महोदय, मैं कल ही कलकत्ता से आया हू। मैं स्वय जब रिजर्वेशन आफिस मे गया तो देखा कि खुल्लम खुल्ला स्टेशन के बाहर रिजर्वेशन आफिस के बाहर सेकेन्ड क्लास स्लीपर काच के लिए दस रुपए, दस रुपए चिल्ला रहे थे और दूसरे लोग उनको घेरे हुए थे। आखिर वे कहा स टिकट लाते है ? मुझे भी वहा पर टिकट नही मिला और मुझे चीफ कामर्शियल सुपरिंटेंडेंट के पास जाना पड़ा उन्होंने भी कहा कि फुल है एक भी जगह नही है। मुझे तो चीफ कामर्शियल सुपरिंटेंडेंट के आफिस मे टिकट मिल गया लेकिन मेरे जो दूसरे सहयोगी थे वे पैसे देकर अपने टिकट ले आये। तो इस प्रकार का खुला करप्शन कलकत्ता स्टेशन के रिजर्वेशन आफिस के बिल्कुल बाहर खुल्लम खुल्ला हो रहा है। मैं जानना चाहता हू कि इस प्रकार के करप्शन को रोकने के लिए—जोकि लुका-छिपी नही

हो रहा है बल्कि खुल्लम-खुल्ला हो रहा है—कोई कठोर कार्यवाही की जायेगी ?

प्रो० मधु दंडवते : इस प्रकार का भ्रष्टाचार चाहे खुला हो रहा हो या छिपे तौर पर हो रहा हो वह तो बुरा है । इसलिए माननीय सदस्य ने जो सुझाव दिया है कि कठोर कार्यवाही उन लोगों के खिलाफ होनी चाहिए उसके लिए वे डिटेल्स दे दें तो जरूर उसकी जांच करके संबंधित लोगों के खिलाफ कठोर कार्यवाही की जायेगी (**व्यवधान**) मैं यकीन दिलाना चाहता हूं इस सदन को कि माननीय सदस्य ने एक निश्चित स्टेशन का नाम दिया है, कलकत्ता स्टेशन का नाम दिया है हम जरूर इस सम्बन्ध में कठोर कार्यवाही करेंगे और इस तरह की चीजों को रोकने की कोशिश करेंगे । (**व्यवधान**)

MR. SPEAKER: Please give him details.

चौधरी बलबीर सिंह : अध्यक्ष महोदय, एक और किस्म की जो गड़बड़ हो रही है, मैं उस की तरफ रेल मन्त्री जी का ध्यान खींचना चाहता हूं । स्टेशन पर जो बोगीज खड़ी होती हैं, उन पर जो रिजर्वेशन का कार्ड लगाया जाता है, उन में लोगों के फर्जी नाम होते है । जब कोई आदमी रिजर्वेशन के लिये उन के पास जाता है तो कह देते हैं कि सब फुल है । लेकिन अगर आप एन्कवायरी करें तो आप को मालूम होगा कि जिन लोगों के नाम वहां पर लिखे होते हैं फाइनल स्टेज तक वे लोग नहीं आते और दूसरों से पैसा लेकर वे सीटें उन को एलाट कर दी जाती है ।

मेरा अपना तजर्बा यह है कि मैं वहां सीट के लिये गया, तो मुझे से कहा गया कि सीट नहीं है, लेकिन वहां सीट पर बैठा रहा और देखा कि जिन के नाम से रिजर्वेशन था, उन में से कोई वहां नहीं आया, बल्कि चार सीटें खाली पड़ी रहीं । क्या मंत्री महोदय इस के बारे में कोई एन्कवायरी करा कर कोई ऐसा रास्ता निकालेंगे जिस से इस तरह की बेईमानी न हो सके ?

प्रो० मधु दंडवते : इस भ्रष्टाचार की जांच करने की आवश्यकता नहीं है, क्योंकि इस सदन के एक जिम्मेदार सदस्य ने यह जानकारी दी है । जानकारी को सही समझ कर मैं इस पर कार्यवाही करूंगा और जो लोग इस के लिये जिम्मेदार हैं, उनके खिलाफ कठोर कार्यवाही की जाएगी ।

SHRI K. LAKKAPPA: Mr. Speaker, Sir, there are racketeering dens operating in various capital cities of India including Delhi in the matter of unauthorised sale of railway tickets. They are almost running this racket as a company. This fact has been brought to the notice of the Railway Minister time and again but no action has been proposed to be taken. I do not want to charge my friend, Mr. Dandavate He s taking very effective steps in other matters but I do not know why he has failed in this respect. Sir, I would like to know whether this Ministry would consider making use of the Members of Parliament by providing them with special identity cards to take immediate action and also report back to the Railway Ministry for taking effective steps in this regard.

PROF. MADHU DANDAVATE: It is a suggestion for action. We will give due consideration.

SHRI HARIKESH BAHADUR: Sir, it has become really very difficult to eradicate corruption in the railways so far as reservations are concerned because I have observed most of the railway authorities at different Railway stations are directly involved in this corruption. So, I would like to know from the hon'ble Minister whether he is going to think of some new method which could be adopted so that this corruption could be eradicated or minimised?

PROF. MADHU DANDAVATE: In the statement that is laid on the Table of the House, I have already mentioned a number of steps that we

propose to take One of the steps that we have taken is on the recommendation of the Railway Convention Committee, namely, if we try to extend the period of advance reservation to some extent it will reduce this mal-practice That is why we extended the period of advance reservation to six months We find as a result of this step there is some decrease in this mal-practice The second step that I mentioned was that of computerisation It will bring about further reduction in this mal-practice

श्री कंवर लाल गुप्त अध्यक्ष महादय, माननाय मत्री जी ने बहुत लम्बा-चौडा स्टेटमेंट यहा पर रखा है और यह भी बताया है कि उन्होंने कुछ अतिरिक्त कदम भी उठाये है। लेकिन इस के बाद भी मैं यह कह सकता हू कि उन के विभाग की परफार्मेंस दूसरे कामो म चाहे बहुत अच्छा हो लेकिन रिजर्वेशन के मामले म बहुत पूअर है और दिल्ली के अन्दर बहुत बडा रैकेट है अखबारा म भी आया है। तो मै माननीय मत्री महोदय स पूछना चाहता हू कि दिल्ली म रिजर्वेशन के रैकेटियरिंग के बारे म अखबारो म भी आया है उस के सम्बन्ध म आप ने क्या कार्यवाही की है और कितने लोगो का पकडा है और दिल्ली म रिजर्वेशन को ठीक करने के लिए आप ने अभी तक क्या कदम उठाए है ? छ महीने पहले कोई रिजर्वेशन कैसे करायगा, यह मेरी समझ म नही आता है। अगर किसी को 4 दिन बाद जाना है तो छ महीने पहले उसे कैसे पता होगा कि उस कलकत्ता जाना है यह समझ मे आने वाली बात नही है।

(व्यवधान)

प्रो० मधु दडवते मैं माननीय सदस्य का ठोस बात बताना चाहता हू। उन्होंने नार्दर्न रेलवे के बारे म खास सवाल उठाया है और मैं नार्दर्न रेलवे के बारे म उन को बताना चाहता हू। नवम्बर 1977 से फरवरी 1978 तक 16 लोगो को गवर्नमेंट रेलवे पुलिस के पास मैल-प्रैक्टिसज के लिए हैंड ओवर किया गया है और चार महीने के अन्दर नवम्बर 1977 से फरवरी 1978 तक 17 लोगो को इस प्रकार के भ्रष्टाचारो के लिए एरेस्ट किया गया है, 7 रिजर्वेशन क्लर्क्स, 10 बुकिंग क्लर्क्स 4 टिकट कलक्टर्स 2 कामर्शल इंस्पेक्टर्स, 8 टी० टी० आई० और 2 गार्ड इन सब के बारे म जानकारी मिलने के बाद डिपार्टमेंटल एक्शन उन के खिलाफ लिया गया है।

PROF P G MAVALANKAR The hon Minister has given a long list of various steps he is taking to curb corruption I agree with him that the problem is not only in regard to the railways but it also relates to the general social consciousness national character etc all over the country Now Sir beginning from the porter upwards upto the railway reservation people all of them I think are involved in cornering a number of seats and berths at the stations making it impossible for *bona fide* passengers to go by trains In view of that will he consider putting at the reservation counters charts like the ones in theatres so that by looking at them the passengers can know Whether there are any vacancies and perhaps they will be helpful to *bona fide* passengers if they can be maintained properly

PROF MADHU DANDAVATE I agree with the hon Member that as far as corruption is concerned there is perfect decentralisation and it will be our endeavour to see that at every level it is eliminated He has made a concrete proposal that specific charts should be put up before each reservation Counter showing the exact position so that no malpractice takes place we will implement that suggestion

श्री सत्य देव सिंह अध्यक्ष महादय मैं आप के माध्यम से माननीय मत्री जी से यह निवेदन करना चाहूगा कि रेलवे का सतर्कता विभाग इस काम के लिए जिम्मेदार

है। पिछले दिनों मुझे सतर्कता विभाग के कई लोगों ने बताया कि उन के द्वारा कुछ केसेज पकड़े भी जाते हैं तो विभागीय अधिकारी उस पर पूरी कार्यवाही नहीं करते, शुरू में उन को सस्पेंड भी नही करते और उन के खिलाफ कोई ऐक्शन नहीं लेते।

MR SPEAKER: Please be brief.

श्री सत्य देव सिंह : अध्यक्ष महोदय, यह बहुत महत्वपूर्ण प्रश्न है और रेलवे विभाग के इस थोड़े से काम मे उस की पूरी बदनामी होती है। रिजर्वेशन जनता की सुविधा के लिए होना है लेकिन उस मे बहुत मेल-प्रेक्टिसेज होती है। दिल्ली मे रिजर्वेशन के बारे मे मैं एक चीज कहना चाहता हू। यहां पर बहुत बड़ा रैकेट है और मैं यह भी बताना चाहता हू कि जो छोटे क्लर्क लगे हुए है उन को जान से मार देने की धमकी बाहर के लोगों ने दी है। यह भी अपने आप मे सत्य है। मैं माननीय मंत्री जी से जानना चाहूगा कि क्या इस तरह की कोई जानकारी उन के पास यहां है और यदि है तो वे उस पर क्या कार्यवाही करेंगे, किस तरह से कोआर्डीनेशन करेंगे और विजीलैंस विभाग और इस तरह मे जान से मार देने वाली जो बात है, उस के बारे मे कोई ठोस और प्रभावी कदम वे कब उठाने जा रहे है ?

प्रो० मधु दंडवते : माननीय सदस्य ने जो जानकारी दी है उसका स्वरूप काफी गम्भीर है। अगर सचमुच इस प्रकार का कोई गलत काम हुआ है तो उसकी तफसील मे मैं जाच कराऊगा और जो जिम्मेदार है सबके खिलाफ कठोर कार्रवाई की जाएगी। यह आश्वासन मैं सदन को देना चाहता हूं।

श्री मोहम्मद शफी कुरेशी : दोनो तरफ से कहा गया है कि रेलवे मे करप्शन बहुत बढ गई है। क्या यह सच है कि दिल्ली रेलवे स्टेशन के सामने अनआथोराइज्ड ट्रेवल एजेंट्स ने दुबारा सिर निकाला है और इस तरह से बोर्ड लगा दिए हैं कि यहां रेलवे का रिजर्वेशन चार घंटे और दो घंटे में कराया जा सकता है ? यदि हां तो क्या इस बात की तरफ ध्यान दिया जाएगा कि जो अनआथोराइज्ड ट्रेवल एजेंट्स दिल्ली स्टेशन के बाहर बैठे हैं उनके खिलाफ कार्रवाई हो ?

[شری محمد شفی قریشی : دونوں طرف سے کہا گیا ہے کہ ریلوے میں کرپشن بہت بڑھ گئی ہے - کیا یہ سچ ہے کہ دلی ریلوے سٹیشن کے سامنے اَن اتھورائیزڈ ٹریول ایجنٹس نے دوبارہ سر نکالا ہے اور اس طرح کے بورڈ لگا دئیے گئے ہیں کہ یہاں ریلوے ریزرویشن چار گھنٹے اور دو گھنٹے میں کرایا جا سکتا ہے ؟ یدی ہاں تو کیا اس بات کی طرف دھیان دیا جائیگا کہ جو اَن اتھورائیزڈ ٹریول ایجنٹس دلی سٹیشن کے باہر بیٹھے ہیں ان کے خلاف کاروائی ہو ؟]

प्रो० मधु दंडवते : अगर इस प्रकार के कोई अनआथाराइज्ड ट्रेवल एजेन्ट्स काम कर रहे है और जो जानकारी माननीय सदस्य ने दी है अगर वह ठीक निकली तो जरूर उनके खिलाफ कार्रवाई की जाएगी और उनको वहां से हटाया जाएगा।

WRITTEN ANSWERS TO QUESTIONS

Publicity for Medicines

*289. SHRI C. K. JAFFER SHARIEF: Will the Minister of PETROLEUM AND CHEMICALS AND FERTILIZERS be pleased to state:

(a) whether he has expressed himself against publicity for medicines on Radio and Doordarshan;

(b) whether Government have studied the Hathi Committee Report on Drugs in this respect; and

(c) if so, the reaction of Government thereon?

THE MINISTER OF PETROLEUM AND CHEMICALS AND FERTILIZERS (SHRI H. N. BAHUGUNA): (a) Yes, Sir.